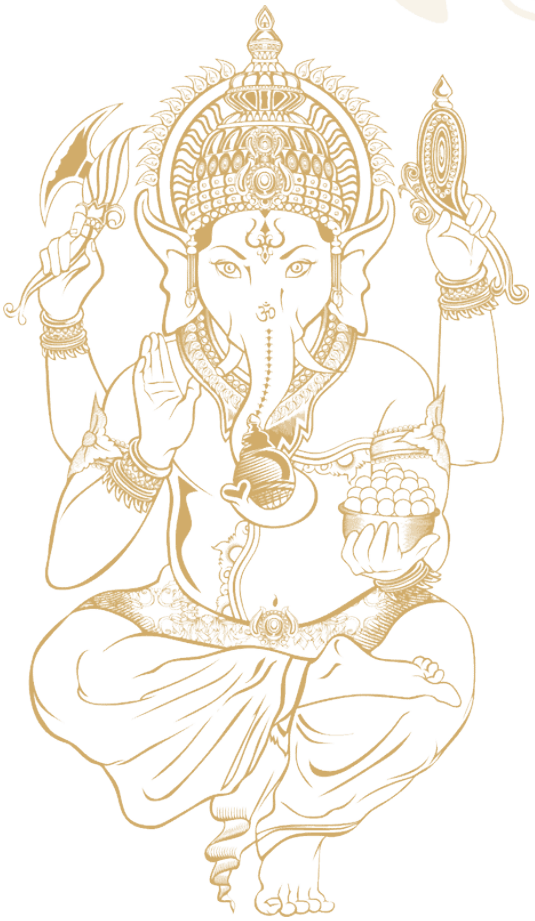

Mr. Utkarsh jain patodi

09 Jun 2019

10:30 AM

Kota Barrage

Model: web-freekundliweb

Order No: 119471904

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**09/06/2019**
दिन	रविवार
जन्म समय	**10:30:00 घंटे**
इष्ट	12:14:29 घटी
स्थान	**Kota Barrage**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	25:06:00 उत्तर
रेखांश	75:51:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:03:24 घंटे
वेलान्तर	00:00:50 घंटे
साम्पातिक काल	03:12:32 घंटे
सूर्योदय	05:36:12 घंटे
सूर्यास्त	19:15:26 घंटे
दिनमान	13:39:14 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	23:58:57 वृष
लग्न के अंश	28:21:59 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	हर्षण
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मे-मेहर
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	28:21:59	317:22:55	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	---
सूर्य			वृष	23:58:57	00:57:24	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	मंगल	शत्रु राशि
चंद्र			सिंह	10:10:54	14:14:33	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	मित्र राशि
मंगल			मिथु	21:21:23	00:38:24	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
बुध			मिथु	13:36:37	01:40:25	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	स्वराशि
गुरु	व		वृश्चि	25:32:19	00:07:39	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	मित्र राशि
शुक्र			वृष	06:02:53	01:13:06	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	स्वराशि
शनि	व		धनु	25:10:05	00:03:26	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	सम राशि
राहु			मिथु	23:48:48	00:01:06	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	शनि	उच्च राशि
केतु			धनु	23:48:48	00:01:06	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	शनि	उच्च राशि
हर्ष			मेष	10:55:34	00:02:43	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	---
नेप			कुंभ	24:33:31	00:00:24	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	---
प्लूटो	व		धनु	28:33:52	00:01:08	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	---
दशम भाव			मेष	26:26:36	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:07:26

लग्न-चलित

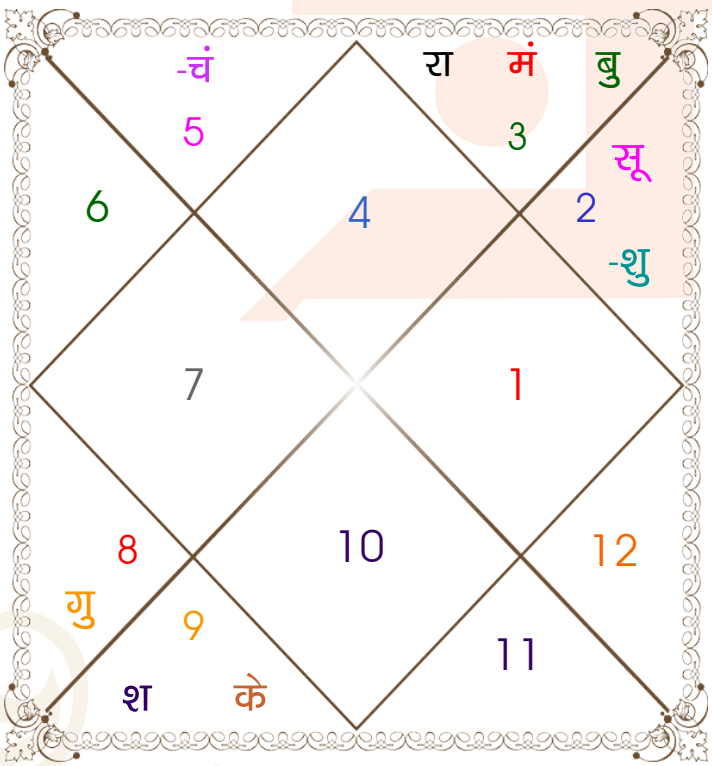

चन्द्र कुंडली

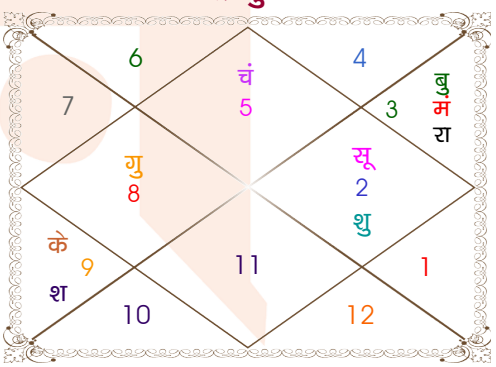

नवमांश कुंडली

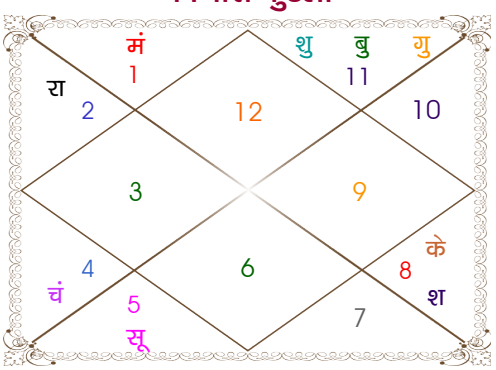

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 7 मास 26 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
09/06/2019		02/02/2021		02/02/2041		03/02/2047		02/02/2057	
02/02/2021		02/02/2041		03/02/2047		02/02/2057		03/02/2064	
	00/00/0000	शुक्र	04/06/2024	सूर्य	23/05/2041	चंद्र	04/12/2047	मंगल	01/07/2057
	00/00/0000	सूर्य	04/06/2025	चंद्र	21/11/2041	मंगल	04/07/2048	राहु	20/07/2058
	00/00/0000	चंद्र	03/02/2027	मंगल	29/03/2042	राहु	03/01/2050	गुरु	26/06/2059
	00/00/0000	मंगल	04/04/2028	राहु	21/02/2043	गुरु	05/05/2051	शनि	04/08/2060
	00/00/0000	राहु	05/04/2031	गुरु	10/12/2043	शनि	03/12/2052	बुध	01/08/2061
	00/00/0000	गुरु	04/12/2033	शनि	21/11/2044	बुध	05/05/2054	केतु	28/12/2061
	09/06/2019	शनि	02/02/2037	बुध	28/09/2045	केतु	04/12/2054	शुक्र	27/02/2063
शनि	06/02/2020	बुध	04/12/2039	केतु	03/02/2046	शुक्र	04/08/2056	सूर्य	05/07/2063
बुध	02/02/2021	केतु	02/02/2041	शुक्र	03/02/2047	सूर्य	02/02/2057	चंद्र	03/02/2064

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
03/02/2064		03/02/2082		03/02/2098		03/02/2117		04/02/2134	
03/02/2082		03/02/2098		03/02/2117		04/02/2134		00/00/0000	
राहु	16/10/2066	गुरु	23/03/2084	शनि	06/02/2101	बुध	03/07/2119	केतु	03/07/2134
गुरु	11/03/2069	शनि	04/10/2086	बुध	17/10/2103	केतु	29/06/2120	शुक्र	02/09/2135
शनि	16/01/2072	बुध	09/01/2089	केतु	25/11/2104	शुक्र	30/04/2123	सूर्य	08/01/2136
बुध	04/08/2074	केतु	16/12/2089	शुक्र	26/01/2108	सूर्य	05/03/2124	चंद्र	08/08/2136
केतु	23/08/2075	शुक्र	16/08/2092	सूर्य	07/01/2109	चंद्र	05/08/2125	मंगल	04/01/2137
शुक्र	22/08/2078	सूर्य	04/06/2093	चंद्र	08/08/2110	मंगल	02/08/2126	राहु	22/01/2138
सूर्य	17/07/2079	चंद्र	04/10/2094	मंगल	17/09/2111	राहु	18/02/2129	गुरु	29/12/2138
चंद्र	15/01/2081	मंगल	10/09/2095	राहु	24/07/2114	गुरु	27/05/2131	शनि	10/06/2139
मंगल	03/02/2082	राहु	03/02/2098	गुरु	03/02/2117	शनि	04/02/2134		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 7 मा 26 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा के भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहते है। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरूचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृति के प्राणी है। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रूचिवान है। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेगें यह आप ही जानते है।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्यान के ज्ञाता है तथा सामंजस्य स्थापित करते हैं। आप कुशाग्रबुद्धि के प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखते।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए कि नीति अपनाते हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरूचि रहती है क्योंकि कि आप स्वार्थी प्राणी है। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपने व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करे। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकते है। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकते हैं। आप अपनी तामसी प्रवृति का त्याग कर अथवा अवरूद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेगे।

आप औसतन लम्बे छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर है। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकते हैं और आप बेढंगे चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करते रहे तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगा तथा आप एक असामान्य दिखने लगेंगे। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छी रहेगी तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगे।

आपके शरीर का समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकते हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।